ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन
A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड XXXIII संख्या 1,2,3 मुंबई जनवरी से सितंबरः 2016

I. अनुसंधान क्षेत्र से

ए) पुलीकट झील से दूर गहन समुद्री केकड़ा की बम्पर पकड की दर्ज

जनवरी 2016 माह के दौरान, पोत *एम एफ वी समुद्रिका* ने अक्षांश 13°उ. से 16°उ. के बीच भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के दक्षिण पूर्वी तट में तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण किया । क्रूस के दौरान 131 मी गहराई में फिश ट्रॉल (27.5 मी) परिनियोजित करते समय, अक्षांश 13° 23.7' उ एवं देशांतर 80° 31.6 पू के क्षेत्र से एकल हॉल में लगभग 2165 कि. ग्रा वजन का *चेरिबडिस स्मिथी*, गहन समुद्री केकडा की बम्पर पकड दर्ज की गई। पकड़ में दो अन्य मत्स्य प्रजातियाँ अर्थात् *नेमिप्टेरस मेसोप्रिओन* और *डीकेप्टरस मेक्रोसोमा* भी लगभग 25 कि. ग्रा. वजन के केकडा के साथ दर्ज की गई ।

(श्री वाई थरुमर, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स का चेन्नई बेस द्वारा सूचित)

बी) अंडमान जलसीमा क्षेत्र से बिना पूंछ पेलाजिक स्टिंग रे "*प्टेरोप्लेटिट्रिगोन वयोलेसिया*" (बोनापार्ट, 1832) की रिपोर्ट

फरवरी 2016 माह के दौरान, *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* द्वारा मल्टी फिलमेट लॉग लाइन प्रचालन के जरिए 12° 35' उ/93° 25' पू के क्षेत्र में अंडमान जलक्षेत्र से बिना पूंछ एक मादा पेलाजिक स्टिंग रे दर्ज की गई और *प्टेरोप्लेटिट्रिगोन वयोलेसिया* प्रजाति के रुप में पहचान की गई । (बोनापार्ट, 1832) पेलाजिक स्टिंग रे के मोरफोमेट्रिक विशेषताएँ दर्ज हुई और इसकी डिस्क लंबाई 52 से.मी. और डिस्क चौडाई 43 से. मी, वजन 5 कि. ग्रा, 2067 मी गहराई से दर्ज हुई ।

एः पृष्ठीय दृश्य, बी संयुक्त दुम, सी संयुक्त दुम के उदर भाग

(डॉ. प्रदीप, एच डी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स., पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा सूचित)

सी) अंडमान समुद्र से दो ग्रेविड पेलाजिक शार्क (*अलेपियस पेलाजिकस* एवं *अलोपियस सूपरसिलियोस*) की प्राप्ति

पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* द्वारा अप्रैल 2016 क्रूस के दौरान अक्षांश 11° एवं 12° उ एवं देशांतर 93° पू से क्रमशः दो ग्रविड पेलाजिक शार्क अर्थात् *अलोपियस पेलाजिकस* (टी. एल 286 से.मी.) और *अलोपियस सूपरसिलियोसस* (टी. एल 343 से मी) अंडमान समुद्र के पूर्वी भाग से पकडी गई । पोत पर जैविक अध्ययन करते समय, टी एल 120 से.मी और 122 से. मी के *अलोपियस पेलाजिकस* के दो पिल्ले और टी एल 140 से. मी. और

143 से. मी. के *अलोपियस सूपरसिलियोसस* के दो पिल्ले पेट की अण्डाशय थैली से रिपोर्ट किए गए । दोनों पेलाजिक शार्क लंबे कॉडल फिन होने के लिए ज्ञात है जो कि शिकार पकडने के लिए विकसित है ।

(श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद्, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा सूचित)

डी) सत्तुणा परियोजना के अंतर्गत बंगाल की खाडी में येल्लोफिन टूना टैगिंग

क्रम. स.	दिनांक एवं समय	क्रम. स.	टैग' आई डी	'अरगोस 'आई डी	एफ एल से. मी)	वजन कि.ग्रा	टैगिग क्षेत्र एव गहराई
1	18.04.2016 1410 घंटे	242	एस टी- एल ओ'ओटी	146429	152	50 (लगभग)	12° 07.05' उ/ 80° 19.22' पू 1400 मी
2	25.04.2016 13.35 घंटे	1430	एस टी- एम ओ'ओडी	146420	130	30 (लगभग)	14° 08.49' उ 80° 31.80 2001 मी

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने महासागर सूचना सेवा के लिए भारतीय राष्ट्रीय केन्द्र (इनकोइस), हैदराबाद द्वारा प्रायोजित "भारतीय समुद्र में टूना के प्रवास स्वरुप पर उपग्रह टेलिमेट्रि अध्ययन" पर यह परियोजना प्रारंभ की है (सत्तुणा)। परियोजना के उद्देश टूना मत्स्यन स्थान पर परामर्श के प्रसार से टूना लॉग लाइनर के प्रचालन के आर्थिक व्यवस्था सुधारना और टूना प्रवासी एवं प्रजनन को प्रभावित करते हुए पर्यावरण एवं जैविक पैरामीटर पर बेस लाइन डाटाबेस विकसित करना है । इस परियोजना के तहत भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस ने अप्रैल 2016 के दौरान बंगाल की खाडी में सर्वेक्षण पोत *मत्स्य दृष्टि* पर पी- सेट पोप अप टैग के साथ दो येल्लोफिन टूना (थुन्नस अलबकेरस) को चिह्नित किया है । पॉप अप टैगिंग टूना जैसी प्रवासी मछली के प्रवास स्वरुप, वृद्धी) एवं प्रजनन को समझने का एक उन्नत टैंगिंग तकनीक है । पॉप अप टैग में सेंसर, एंटीना, एक छोटा बोया (बल्ब की तरह संरचना) और एक छाता तार है । टैग को एप्लिकेटर के माध्यम से येल्लोफिन टूना के दूसरी पृष्ठीय पंख के ठीक नीचे जोड़ा जाता है। जो मछली का तापमान, नियमित अंतराल में गहराई एवं प्रकाश की स्थिति पर डेटा एकत्रित करता है और जब भी टैग की गई मछली समुद्र की सतह तक पहुच जाती है तब वह संबंधित उपग्रह को प्रेषित करेगा । पॉप अप टाइम पूरा होने पर (अर्थात 4 से 12 माह) टैग मछली के शरीर से स्वचालित रुप से अलग हो जाएगा और टैंग के साथ संलग्न बल्ब की उछाल के कारण यह अनायास समुद्र की सतह पर आते हैं और संचरण पूरी तरह से सक्षम करने के लिए अंतरीक्ष में ऊपर की ओर एंटीना रखेंगे। भा. मा.स. के चेन्नई बेस से जुडे डॉ. मानस कुमार सिन्हा, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री वी. मुरुगन, क. अनुसंधान अध्येता ने अप्रैल 2016 के दौरान सर्वेक्षण पोत *मत्स्य दृष्टि* पर दो येल्लो फिन टूना को टैग किया था । पी- सेट पॉप अप टैंगिंग का ब्यौरा तालिका में प्रस्तुत है ।

टैगिंग के पहले पी- सेट

येल्लोफिन टूना के टैग्गिंग प्रक्रिया का एक दृश्य

(डॉ. मानस कुमार सिन्हा, क. मा. वैज्ञानिक, भा मा स का चेन्नई बेस द्वारा संसूचित)

ई) मई 2016 में समुद्री यात्रा के दौराने देखे गए सेफेलोपोड के अंडे (स्क्विड एवं कटल फिश)

मई 2016 में समुद्री यात्रा के दौरान समन्वेषी सर्वेक्षण संचालित करते समय अक्षांश 12° 38.2' उ / देशांतर 80°19.1' पू में स्क्विड का झुंड एवं कटल फिश के अंडे ट्रॉल नेट में फस गए थे जो इस स्थान में कटल फिश एवं स्क्विड के प्रजनन को सूचित करता है। यह भी दर्शाता हैं कि इस माह के दौरान स्क्विड और कटल फिश प्रजनन करता है।

कटल फिश के अंडे

स्क्विड के अंडे

(श्री हर्षवर्धन डी जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक, भा.मा. स का चेन्नई बेस द्वारा सूचित)

एफ) विशाखापट्टणम तटीय जलसीमा क्षेत्र, भारत के पूर्वी तट से बैट क्रेब *क्रिप्टोपोडिया एंगुलाटा* की प्राप्ति

भा मा स के विशाखापट्टणम बेस से जुडे *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* (स्टर्न ट्रॉलर) की अगस्त 2016 में समुद्री यात्रा के दौरान अक्षांश 17° 54.9' उ./देशांतर 83° 45.7' पू, 49 मी. गहराई में रेतीले एवं करोलिन समुद्र तल के साथ विशाखापट्टणम जल सीमा क्षेत्र से *क्रिप्टोपोडिया एंगुलाटा* (बैट क्रेब, बक्लर क्रेब और डोमड एलबो क्रेब) के एकल माता नमूना एकत्रित किया गया । प्रजाति पार्थनोपिडे कुटुम्ब के अंतर्गत आती है ।

वर्नियर कैलिपर का उपयोग कर केकड़ा को निकटतम 0.1 मि. मी था। एकत्रित नमूना की पहचान की गई, मापा गया और परिरक्षित किया गया। इसका वर्गीकरण विभिन्न कुंजियों का उपयोग कर प्रजातियों के स्तर तक पुष्टि की गई (डेवि एवं टर्नर, 1995 चियोंग एवं एन जी, 1996, सिलम्बरसन और अन्य 2015)। प्रजातियों का मालदीव, श्रीलंका, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और थाईलैंड की खाड़ी सहित विस्तृत वितरण है। लेकिन यह भारतीये समुद्र में सामान्य नहीं है।

(श्री के. सिलम्बरसन, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स. का विशाखापट्टणम बेस द्वारा सूचित)

जी1) किशोर मछलियों का रिकार्ड

अगस्त 2016 में समुद्री यात्रा के दौरान विभिन्न प्रजातियों की निम्नलिखित किशोर मछलियां पोत *एम एफ वी समुद्रिका* पर पकडी गई। ये किशोर मछलियाँ फिश ट्रॉल के कॉड एन्ड में पकडी गई थी । कोड एण्ड का जाल आकार 30 मि. मी है।

क्रम सं.	मत्स्य प्रजातियां	लंबाई सीमा (मि.मी. में)	औसत वजन (ग्राम में)
1.	*नेमिप्टेरस जपोनिकस*	145-235	55.0
2.	*रास्ट्रेल्लिजर कानागुरटा*	73-155	17.4
3.	*स्पाइरेइना ओबटुसाटा*	200-285	72.0
4.	*पारस्ट्रोमेटियस नाइजर*	85-110	14.0
5.	*लियोग्नेथस स्प्लेन्डन्स*	21-85	3.8
6.	*उपिनियस मोलुसेनसिस*	95-125	6.25
7.	*सारडिनेल्ला गिब्बोसा*	150-185	17.5
8.	लेपटुराकेथस सावला	32-41	28.5
9.	स्कोम्बरोमोरस गुटाटस	155-245	20.0
10.	कैरन्क्स पैरा	130-250	65.0

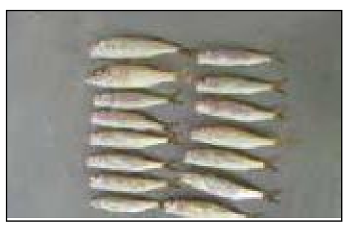

1. *उपिनियस मोलुसेनसिस* की किशोर मछलियाँ

2. *रास्ट्रेलिजर कानागुरटा* की किशोर मछलियाँ

3. *पेरस्ट्रोमेटियस नाइजर* की किशोर मछलियाँ

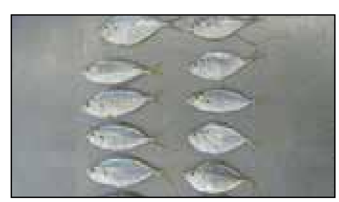

4. *लियोग्नेथस स्प्लेन्डन्स* की किशोर मछलियाँ

(डॉ. मानस कुमार सिन्हा, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा. मा. स. का चेन्नई बेस द्वारा सूचित)

जी 2) काकिनाडा से दूर उत्तर पूर्व और यानम में किशोर मछलियों की प्राप्ति

सितंबर 2016 माह में, पोत *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* द्वारा तलमज्जी संसाधनों के लिए समन्वेषी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण करते समय, अक्षांश 16° उ अक्षांश 19° उ के क्षेत्र में दर्ज की गई अधिकांश प्रजातियों में किशोर मछलियाँ पाई गई । समुद्री यात्रा के दौरान काकिनाडा से दूर उत्तर पूर्वी क्षेत्र में (17° 3.7' उ/82° 29 पू, 39 मी गहराई) बोट्टम ट्रॉल प्रचालन के दौरान *पेरस्ट्रोमेटियस नाइजर* (ब्लेक पोमफ्रेट), *पेम्पस अरजेन्टियस* (सफ़ेद पोमफ्रेट) और *पेम्पस चिनेनसिस* (चाइनीज़ पोमफेट) *मेगलास्पिस कोरडिला* (हॉर्स मैकरेल), *स्कोम्बरोमोरस गुटाटस* (सीर फिश), एसिटस प्रजाति, (श्रिम्प) की किशोर मछलियां दर्ज की गई। किशोर मछलियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान अध्ययन, क्षेत्र एवं भारत के दक्षिण पूर्वी तट में पोमफ्रेट, हॉर्स मैकरेल एवं सीर फिश की प्रजनन अवधि सूचित करता है।

क्रम सं.	प्रजातियाँ	लंबाई सीमा (से. मी.)	वजन सीमा (ग्राम) वर्ग
1.	*पेरस्ट्रोमेटियस नाइजर*	16.0 - 18.0	70.0 - 110
2.	*पेम्पस चिनेनसिस*	17.0 - 21.0	160.0 - 250.0
3.	*पेम्पस अर्जेन्टियस*	18.0 - 21.0	100.0 - 160.0
4.	*स्कोम्बरोमोरस गुटाटस*	30.0 - 33.0	230.0 - 350
5.	*मेगालासपिस कोरडिला*	16.0 - 17.5	30.0 - 50.0

(श्री जी वी ए प्रसाद, क मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स का विशाखापट्टणम बेस द्वारा सूचित)

विस्तार गतिविधि

II. बहिर्गमन एवं प्रशिक्षण

भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस ने 13 फरवरी 2016 को पंचायत समिति हॉल, रामपूर ग्राम, मायाबंदर उत्तर एवं मध्य अंडमान में अंडमान एवं निकोबार द्वीप के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का उद्देश्य मात्स्यिकी संसाधनों का अधिकतम उपयोग और पर्च संसाधनों का लाभ उठाने हेतु अनुकूल मत्स्यन प्रणालियाँ, समुद्र में लिए जाने वाले विविध सुरक्षा उपायों और उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता पर स्थानीय केरन मछुआरा समुदाय में जानकारी पैदा करना है। कार्यशाला का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ श्री नचियम्माल, प्रमुख, पंचायत समिति, मायाबंदर, उत्तर एवं मध्य अंडमान द्वारा किया गया है । श्री नावसेबिया, प्रधान, रामपूर ग्राम पंचायत, उत्तर एवं मध्य अंडमान केरन मत्स्यन समुदाय के प्रतिनिधि विशेष आमंत्रित सदस्य थे । तकनीकी सत्र के दौरान इस बेस के वैज्ञानिकों ने तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुत किए । कार्यशाला के दौरान मछुआरों के हित के लिए प्रदर्शनी हेतु सभी मात्स्यिकी गैजेट रखे गऐ। एक मछुआरा रैली का भी आयोजन किया गया । प्रतिभागियों ने उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता दर्शाते हुए प्लकार्ड लेते हुए रैली में भाग लिया । इस घटना को आम जनता के बीच महत्वपूर्ण ध्यान प्राप्त हुआ है ।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भा मा स का विशाखापट्टणम बेस की भागीदारी

कोलकत्ता विश्वविद्यालय के सहयोग से युवाओं के लिए केन्द्रीय कोलकत्ता वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संघ द्वारा "जलीय संसाधन एवं स्थायी प्रबंधन" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 17-19 फरवरी 2016 के दौरान विज्ञान शहर, कोलकत्ता में सपन्न

हुई । इस कार्यालय ने प्रदर्शनी में भाग लिया और संगठनात्मक गतिविधियाँ और मछली पकडने के तरीकों और सहायक उपकरणों के लेमिनेटेड फोटोग्राफ बनाकर एक स्टॉल लगाया । आगन्तुकों के लाभार्थ पर्यावरण अनुकूल फिशिंग गियर और फिशिंग गियर के मॉडल तथा उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता स्थानीय भाषा बंगला में अनुवादित करके प्रदर्शित किए गये । आयोजक ने उक्त कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बेस कार्यालय को प्रमाणपत्र दिया ।

कोच्चिन बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का कोच्चिन बेस ने "केरल तट के पास और तट से दूर समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला 19 फरवरी 2016 को मिनि सिविल स्टेशन के सम्मेलन हॉल, पोन्नानी मलप्पुरम में आयोजित की । श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक ने प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और मुख्य भाषण दिया । उन्होंने क्षेत्रीय कार्यशाला उद्देश्य के बारे में और कोच्चिन क्षेत्रीय बेस के विशेष संदर्भ के साथ भा मा स की गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी। कार्यशाला का उद्घाटन श्री वाई. सयद मुहम्मद, उप निदेशक, मात्स्यिकी विभाग, पोन्नम तथा समारोह की अध्यक्षता में श्री षमसुद्दीन, अध्यक्ष विकसना स्थायी समिति, पोन्नानी द्वारा की गई । तकनीकी सत्र के दौरान बेस एवं समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग के वैज्ञानिक एवं अधिकारियों द्वारा विभिन्न विषयों पर निम्नलिखित शोध पत्र प्रस्तुत किए गए ।

तकनीकी सत्र के दौरान बेस एवं समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग के वैज्ञानिक एवं अधिकारियों द्वारा विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए । श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने केरल तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। श्री ए. ई. अयूब, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् ने किशोर मछलियों की पकड एवं उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता पर शोध पत्र प्रस्तुत किया । श्री अरुण कुमार, बोसन ने समुद्र में जीवन सुरक्षा (एस ओ एल ए एस) पर शोध पत्र प्रस्तुत किया । श्री जोष अशोकन चीपल्ली, अधीक्षक (पी एस सी) ने इंधन खपत कम करने की प्रणालियाँ एवं समुद्री इंजन के रखरखाव एवं मरम्मतें पर शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

कार्यशाला में लगभग 100 सक्रिय मछुआरों ने भाग लिया । कार्यशाला में लिए गए विचार विमर्श में, समुद्री संसाधनों के स्थायी उपयोग, समुद्र में मछुआरों द्वारा किए जाने वाले सुरक्षा उपायों और उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता कार्यान्वित करने की आवश्यकता पर अधिक प्रकाश डाला गया वैज्ञानिक एवं टेकनोक्रैट ने संबंधित मामलों पर प्रतिभागियों का संदेह दूर किया। कार्यशाला की पूरी कार्यवाही, लक्ष्य समूह पर विचार करते हुए, स्थानीय भाषा (मलयालम) में की गई। डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समारोह समाप्त हुआ।

58 वाँ किसान मेला में भा. मा. स. का विशाखापट्टणम बेस की भागीदारी

"58 वॉ किसान मेला" आचार्य एन जी रंगा, कृषि विश्वविद्यालय क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान स्टेशन, अनकपल्लि द्वारा 26-27 फरवरी 2016 के दौरान आयोजित किया गया। बेस ने किसान मेला में भाग लिया और विविध चार्ट के जरिए संगठनात्मक गतिविधियां प्रदर्शित करते हुए एक स्टॉल लगाया। मछलियों, मछली पकडने के तरीकों, पर्यावरण अनुकूल फिशिंग गियर एवं उपकरणों के लेमिनेटेड फोटोग्राफ, मत्स्यन पोत के मॉडल और आगन्तुकों के लाभार्थ क्षेत्रीय भाषा मे अनुवादित उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता भी प्रदर्शित किए गए। भा मा स के अधिकारियों ने उनको विभागीय गतिविधियों के संबंध में विस्तृत रुप से जानकारी दी । सांसद सदस्य, विधान सभा के सदस्य, अन्य प्रतिनिधियाँ और किसानों, अनुसंधानकर्ताओं, कॉलेज एवं स्कूल के छात्र और आम जनता सहित 6000 से अधिक लोगों ने स्टॉल का दौरा किया । कार्यक्रम में भागीदारी के लिए भागीदारी प्रमाणपत्र वितरित किए गए ।

विशाखापट्टणम बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशालाः

भारत के ऊपरी पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला मात्स्यिकी निदेशालय, ओडिशा सरकार के सहयोग से यूथ होस्टल, पुरी, ओडिशा में 05.08.2016 को आयोजित की गई । श्री जानकी भल्लव डेश, मात्स्यिकी के

अतिरिक्त निदेशक (तकनीकी), ओडिशा सरकार, इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहें । डॉ. रीम जयशंकर, प्रधान वैज्ञानिक, सी एम एफ आर आई के पुरी फील्ड सेंटर और श्री प्रसन्ना कुमार बेहरा, अध्यक्ष, समस्त ओडिशा परम्परागत मछली वर्कर्स यूनियन, सम्मानित अतिथि थे। श्री के गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मुख्य भाषण दिया । डॉ. ए. बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सभा का स्वागत किया और श्री देबेन्द्र कुमार बेहरा, अतिरिक्त मात्स्यिकी अधिकारी (समुद्री), पुरी, ओडिशा, ने धन्यवाद प्रस्ताव किया ।

उद्घाटन समारोह के बाद तकनीकी सत्र हुआ जिसमें डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा. मा. स., विशाखापट्टणम ने भारत के ऊपरी पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया । श्री एस. के.पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक ने उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता (सी सी आर एफ) और समुद्र में लिए जाने वाले सुरक्षा उपायों" पर दो शोध पत्र प्रस्तुत किए । कार्यशाला के दौरान कार्यशाला स्थान पर एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जिसमें मात्स्यिकी संसाधनों पर चार्ट, मछलियों के ब्लोअप फोटोग्राफ और पर्यावरण अनुकूल फिशिंग गियर भी प्रदर्शित किए गए । स्थानीय मछुआरें और पैंथाकोटा, अस्तरंग, कोणार्क, पुरी और ब्रम्हगिरी के मछुआरा सहकारी सोसाइटी के प्रतिनिधियों और मात्स्यिकी निदेशालय, ओडिशा के कर्मचारियों और आम जनता ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

विस्तार कार्यक्रम के रुप में , पोर्ट ब्लेयर बेस ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपों के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और विविध तरीकों" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई । कार्यशाला 28 सितंबर 2016 को ग्राम पंचायत हॉल, बियोडनबाद, बुरमानल्लाह, दक्षिण अंडमान में आयोजित की गई । कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्र के स्थानीय मछुआरों के बीच मात्स्यिकी संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग, प्रचुर मात्स्यिकी संसाधानों तथा पर्च संसाधनों का दोहन हेतु पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों का उपयोग करना, समुद्र में लिए जाने वाले विभिन्न सुरक्षा उपायों पर जानकारी पैदा करना और उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता के संबंध में उनको प्रशिक्षित करना है । लगभग 90 मछुआरे, 5 पी आर आई सदस्य और 05 मात्स्यिकी अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण में आगन्तुकों का दौराः

- श्री पी वी के राजू, विभागाध्यक्ष, पी आर सरकारी स्वायत्त कॉलेज, काकिनाडा ने बी एस सी के 32 छात्रों के साथ (तटीय जलकृषि में वोकेशनल पाठ्यक्रम) विशाखापट्टणम बेस कार्यालय, विभागीय संग्रहालय, जाल मरम्मत अनुभाग और पोत *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* का 28.01.2016 का दौरा किया । उनको संगठानात्मक गतिविधियों, विविध पर्यावरण अनुकूल फिशिंग गियर एवं सहायक उपकरणों के प्रचालन, नौचालन उपकरण और उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता" पर भी विस्तृत रुप से बताया गया ।
- श्री आर रामचन्द्र राव, प्रभारी प्राध्यापक, प्राणी विज्ञान विभाग, सरकारी डिग्री कॉलेज, श्री काकुलम ने बी एस सी (प्राणी विज्ञान) के 62 छात्रों के साथ 29.01.2016 को विशाखापट्टणम बेस कार्यालय के संग्रहालय और जाल मरम्मत अनुभाग का दौरा किया ।
- डॉ. एस. खोज़र, प्राध्यापक, मात्स्यिकी कॉलेज, त्रिपुरा ने टेंडल-कम-ड्राइवर पाठय़क्रम के 25 छात्रों के साथ 3.02. 2016 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया ।
- उद्योग विभाग, पोर्ट ब्लेयर से 25 प्रशिक्षार्थियों के लिए 8 एवं 9 फरवरी 2016 को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया । प्रशिक्षण के एक भाग के रुप में, प्रतिभागियों ने सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* का दौरा किया। इस बेस के वैज्ञानिकों ने भा मा स गतिविधियों, फिशिंग गियर, उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता और समुद्र में सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी । पोत के अधिकारियों ने पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* पर इंजन के रखरखाव के संबंध में जानकारी दी ।
- श्री 'आर लक्ष्मण राव, एस आई एफ टी के प्रशिक्षक, काकिनाडा ने बी एफ एस सी के 24 छात्रों के साथ 12.02.2016 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया ।
- श्री सुवमोय अदक, सहायक महाप्रबंधक, पर्यावरण इंजीनियरिंग, मेकोन लि. रांची ने 04.03.2016 को विशाखापट्टणम का दौरा किया । उनको समुद्री पर्यावरण एवं भारत के पूर्वी तट में उपलब्ध मात्स्यिकी संसाधनों, कछुआ मृत्यु दर और मत्स्यन जाल में टी ई डी के उपयोग के संबंध में समझाया गया ।
- श्री जी एन वी एस एस रेड्डी, नेक्सस फीड लि., भीमुनिपटनम ने 11.03.2016 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया और एल ओ पी/मत्स्य नीति पर सूचना एकत्र की ।
- श्री पी. कोटेश्वर राव, निफफट्ट, विशाखापट्टणम ने मात्स्यिकी कॉलेज, जबलपूर एवं कॉलेज ऑफ फिशरीज़, बिहार के 25 छात्रों के साथ 15.03.2016 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया । उनको पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के संबंध में समझाया गया । वे पोत *एम एफ वी मत्स्य शिकारी* का भी दौरा किया और उनको स्किप्पर द्वारा नौचालन उपकरणों एवं फिशिंग ऑपरेशन के बारे में समझाया गया ।
- डॉ. एस. के. महाजन, डीन (आई/सी), कॉलेज ऑफ फिशरीज़ सायन्स, एन ओ वी एस यू, जबलपूर ने 30 छात्रों के साथ 18.03.2016 को विशाखापट्टणम बेस कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने विभागीय पोत *एम एफ वी मत्स्य शिकारी* का भी दौरा किया और उनको स्किप्पर द्वारा नौचालन उपकरण एवं फिशिंग ऑपरेशन के बारे में समझाया गया ।

- श्री बसु, स्टाफ रिपोर्टर, आन्ध्र ज्योति ने 06.04.2016 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया और भारत के पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर सूचना एकत्रित की ।
- श्री के. श्रीनिवास, निदेशक एवं श्री एफ. ए. किरमानी, सहायक प्रबंधक. के पी एम जी, भारत प्रा. लि.ः गुरगाँव ने 10.05.2016 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया और भारत के पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर सूचना एकत्रित की ।
- श्री मनोज मेरसन, फनगंग जिला ट्रेड एवं मार्केटिंग लि., नेनिंग सिटी, चीन ने 19.03.2016 को विशाखापट्टणम कार्यालय का दौरा किया और भारत के पूर्वी तट में एक प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की व्यवहार्यता सहित पूर्वी तट एवं पश्चिमी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर सूचना एकत्रित की ।
- श्री श्रीनिवास राजु, गोपालपटनम ने 30.03.2016 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया और समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन और विशाखापट्टणम में फ्रोजन फिश स्टील खोलने की व्यवहार्यता पर जानकारी एकत्रित की ।
- प्राणी विज्ञान विभाग, क्राइस्ट कॉलेज, इरिन्जालक्कुडा, त्रिश्शूर से एक प्रोफेसर एवं 11 छात्रों ने 10.06.2016 को कोच्चिन बेस का दौरा किया ।
- श्रीमती प्रमोदा माली, प्राध्यापक वर्ग,श्री एम वी के आर, मात्स्यिकी पोलिटेकनिक, कृष्णा जिला, आन्ध्र प्रदेश ने 28 छात्रों के साथ 28.06.2016 को विशाखापट्टणम बेस कार्यालय एवं पोत *मत्स्य शिकारी* का दौरा किया । उनको संगठनात्मक गतिविधियाँ, विभिन्न पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियाँ, उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता (सी सी आर एफ),पोत में उपलब्ध परिष्कृत नौचालन एवं इलेक्ट्रोनिक उपकरण और विविध प्रकार के ट्रॉल और सहायक उपकरणों के संबंध में जानकारी दी गई ।
- पाच्चेयप्पा महिला कॉलेज, कान्चिपुरम के कुल 30 छात्रों ने उनके पाठय़क्रम के एक भाग के रुप में चेन्नई बेस का दौरा किया। उनको भा मा स की गतिविधियों एवं अधिदेश के संबंध में जानकारी दी गई ।
- श्री वी एल पूजन, एस आई (एम ई) ने चेन्नई के सिफनेट यूनिट के 24 छात्रों के साथ 7.7.2016 को विशाखापट्टणम बेस कार्यालय एवं पोत *मत्स्य शिकारी* एवं *मत्स्य दर्शिनी* का दौरा किया । उनको संगठनात्मक गतिविधियों, विभिन्न पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणलियों उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता, (सी सी आर एफ) विभिन्न ट्रॉल नेट सहित पोत पर उपलब्ध परिष्कृत नौचालन एवं इल्कट्रोनिक उपकरणों के बारे में जानकारी दी गई ।
- सरकारी आर्टस कॉलेज, नन्दनम से एम एस सी (प्राणी विज्ञान) के द्वितीय वर्ष के कुल 15 छात्रों ने 11 जुलाई 2016 से 13 जुलाई 2016 तक चेन्नई बेस में 3 दिन के इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया । इस बेस के वैज्ञानिकों ने संस्थान की गतिविधियों, गियर एवं मछली पकडने के तरीकों इत्यादि के संबंध में जानकारी दी ।
- मत्स्यन बंदरगाह विंग, रॉयपुरम, चेन्नई एवं मात्स्यिकी विभाग के अधिकारियों ने 08.08.2016 को पोत *एम एफ वी समुद्रिका* का दौरा किया और वे स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ सी डी तैयार करने हेतु फोटो और वीडियोग्राफी लिया ।
- डॉ. रमनी बाई, विभागाध्यक्ष और डॉ. अरुल वासु, सहायक प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय चेन्नई ने 10.08.2016 को चेन्नई बेस का दौरा किया और मद्रास विश्वविद्यालय के अधीन डॉक्टरल डिग्री कार्यक्रम लेने हेतु बेस की मान्यता के लिए बेस की सुविधाओं का निरीक्षण किया।
- राष्ट्रीय स्थायी तटीय प्रबंधन केन्द्र, चेन्नई से डॉ. यामबेम तेंजिंग सिंह और डॉ. दुर्गा प्रसाद बेहेरा ने 12.08.2016 को चेन्नई बेस का दौरा किया और भा मा स का चेन्नई बेस की गतिविधियों पर सूचना एकत्रित की ।
- कॉलेज ऑफ फिशरी सायन्स, श्री वेंकटेश्वरा वेटरिनरी विश्वविद्यालय, नेल्लोर, आन्ध्र प्रदेश से 28 छात्र एंव दो कर्मचारी सदस्य ने 19.08.2016 को मुम्बई बेस का दौरा किया । उनका भा मा स अधिदेश पर एक संक्षिप्त वर्णन किया गया, उसके बाद वाणिज्यिक प्रमुख प्रजातियों, भारत के पश्चिमी तट से दूर प्रयुक्त फिशिंग क्राफ्ट एवं गियर के प्रकार के बारे में संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया । छात्रों को वाणिज्यिक प्रमुख मछलियों और इससे संबंधित सूचना को अंतिम रुप देने हेतु ससून डॉक लैंडिंग सेंटर में ले जाया गया ।

- डॉ बासुदेव त्रिपाठी, वैज्ञानिक डी, भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकत्ता, डॉ. सुभेन्द्रउ शेखर मिश्रा, वैज्ञानिक सी, भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकत्ता, डॉ. अनिल महापात्रा, वैज्ञानिक डी, भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण, दीघा,

पश्चिम बंगाल ने दो कर्मचारी सदस्यों के साथ 29.08.2016 को विशाखापट्टणम कार्यालय का दौरा किया। उनको संगठनात्मक गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई । उन्होंने संग्रहालय, जाल मरम्मत अनुभाग और पोत *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* का भी दौरा किया। इसके अतिरिक्त, उन्हें गहन समुद्री मत्स्यन के विविध पहलुओं, पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियाँ और नौचालन एवं इलेक्ट्रोनिक उपकरणों के संबंध में विस्तार से समझाया गया।

द्वीप समूह में समुद्री मत्स्य जनगणना 2016

"मात्स्यिकी सेक्टर के लिए आँकडा बेस एवं भौगोलिक सूचना तंत्र को सुदृढ करने" पर केन्द्रीय सेक्टर स्कीम (सी एस एस) के अधीन भा मा स ने अंडमान

एवं निकोबार और लक्षद्वीप द्वीपों में समुद्री मात्स्यिकी जनगणना का संचालन किया । बडे पैमाने पर यह कार्य करने हेतु भा मा स से 9 पर्यवेक्षक, अंडमान एवं निकोबार द्वीप और लक्षद्वीप द्वीपों से 9 पर्यवेक्षक शामिल थे । इसके अतिरिक्त, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से 59 गणनाकार और लक्षद्वीप द्वीपों से 45 गणनाकार इस कार्य में लगे हुए थे। संबंधित द्वीपों के केन्द्रशासित प्रदेश के मात्स्यिकी विभागों के सहयोग के साथ जनगणना सफलतापूर्वक किया गया ।

III. वार्षिक रोसा बैठक, 2015-16

परिचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा बैठक श्री प्रेमचन्द, महानिदेशक (प्रभारी), भा मा स की अध्यक्षता में 10 मार्च 2016 को भा.मा. स., के कोच्चिन बेस में संपन्न हुई। बैठक में सर्वेक्षण पोतों के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक निष्पादन और बेस द्वारा की गई वैज्ञानिक कार्रवाई की समीक्षा की गई। बैठक में मात्स्यिकी सर्वेक्षण कार्यक्रम 2016-17 के प्रारुप को अनुमोदन दिया और वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रणनीतिक प्रबंधन के साथ कार्यक्रम को प्रभावी रुप से कार्यान्वित करने का निर्णय लिया ।

अर्ध वार्षिक रोसा बैठक 2016-17

परिचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों की अर्ध वार्षिक समीक्षा बैठक 30.09.2016 को सम्मेलन हॉल, भा मा स (मुख्यालय), मुम्बई में संपन्न हुई । बैठक की अध्यक्षता श्री एम. के. फरेजिया, महानिदेशक (प्रभारी) द्वारा किया गया । बैठक में, उन्होंने विभाग के भावी संभावनाओं और सर्वेक्षण क्रूस के दौरान ऑकडा संग्रहण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए । उन्होंने सभी वैज्ञानिकों एवं अभियंताओं से उनके संबंधित क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रकाशन के लिए अधिक प्रयास करने के लिए अनुरोध किया । बैठक के दौरान बेस कार्यालयों द्वारा किए गए सर्वेक्षण पोतों के गुणात्मक एवं परिमाणत्मक निष्पादन की समीक्षा की गई एवं प्रस्तावित कार्यक्रम के कार्यान्वयन की कमी पार करने हेतु उपायों की चर्चा की गई । विविध स्तर पर जन-शक्ति के अभाव पर विचार करते हुए, उन्होंने बताया कि मुख्यालय ने विविध पदों को भरने के लिए कार्रवाई प्रारंभ की है और प्रस्ताव भेजा गया हैं ।

IV. राजभाषा कार्यान्वयन

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक 16.02.2016, 26.05.2016 और 29.08.2016 को भा मा स, मुख्यालय में सपन्न हुई । समिति ने सभी अनुभागों की तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की और कमियाँ बताई तथा उसे सुधारने हेतु सुझाव दिए ।

कोच्चिन बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 28.06.2016 को आयोजित की गई ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अर्ध वार्षिक बैठक 2.2.2016 को केरी, पोर्ट ब्लेयर के सम्मेलन हॉल में संपन्न हुई, इस अवसर पर श्री एन. वरधन, पोर्ट ब्लेयर बेस के आशुलिपिक ग्रेड-I को 2014-15 के लिए राजभाषा पुरस्कार प्रदान किया गया ।
- मार्मुगोवा बेस द्वारा प्रकाशित हिन्दी पत्रिका “मत्स्यकीर्ति” का चौथा अंक का विमोचन 24.04.2016 को अध्यक्ष, टोलिक, दक्षिण गोवा रियर एडमिरल (सेवानिवृत्त), शेखर मित्तल, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोवा शिपयार्ड लि. वास्को द्वारा डॉ.

सुनीता यादव, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, मुम्बई की उपस्थिति में किया गया । कार्यक्रम में पत्रिका की विषयवस्तु की सराहना की गई ।

- श्री प्रेमचन्द, महानिदेशक (प्रभारी), श्री महेश कुमार फरेज़िया, निदेशक (अभियांत्रिकी), और श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव ने पश्चिम रेल्वे (मुख्यालय) चर्चगेट में 24.05.2016 को संपन्न नराकास की बैठक में भाग लिया ।
- नराकास, मुम्बई द्वारा भा. मा. स. (मुख्यालय) में 20.11.2015 को राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। श्री महेश कुमार फरेज़िया, निदेशक (अभियांत्रिकी) उपर्युक्त प्रतियोगिता के निर्णायक थे । श्री शुभ्रजित दास, आशुलिपिक ग्रेड-।। को पर्यटन पर सामान्य ज्ञान में दूसरा पुरस्कार और राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता में सान्तवना पुरस्कार नराकास की बैठक में प्रदान किया गया ।
- श्री डी के गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक ने आयकर के मुख्य आयुक्त के कार्यालय में 12.05.2016 को संपन्न नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया । कोच्चिन बेस कार्यालय को वर्ष 2014-15 के लिए राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में किए गए प्रयास के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।
- डॉ. एच. डी. प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने श्री शाहनवाज़, क. अनुवादक के साथ 29.07.2016 को सी आइ ए आर आई, पोर्ट ब्लेयर में संपन्न नराकास की बैठक में भाग लिया ।

मुख्यालय द्वारा आयोजित हिन्दी कार्यशाला

- एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला तीन अवसर पर 16.03.2016, 15.06.2016 और 16.09.2016 के दौरान भा मा स (मुख्यालय) में आयोजित की गई । श्री नरेश कुमार, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, मुम्बई 16.03.2016 को "सरकारी कार्य में हिन्दी का प्रयोग" पर व्याख्यान देने हेतु विषय विशेषज्ञ रहे । श्रीमती रीटा चतुर्वेदी, हिन्दी प्राध्यापक को 15.09.2016 को "कार्यालयीन हिन्दी पर" व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया और 16.09.2016 को "कार्यालयीन शब्दावली एवं सरकारी कार्य में इसका प्रयोग" पर व्याख्यान देने हेतु श्री नरेश कुमार, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्युरो को आमंत्रित किया गया । उन्होंने सरकारी कार्य में हिन्दी का उपयोग बढाने हेतु अनुरोध किया ।

बेस कार्यालयों में आयोजित हिन्दी कार्यशाला

- वार्षिक रोसा बैठक के दौरान, कोच्चिन बेस की हिन्दी गृह पत्रिका "मत्स्य ध्वनि" 10.03.2016 को श्री प्रेमचन्द, महानिदेशक (प्रभारी) द्वारा विमोचन किया गया ।
- कोच्चिन बेस के कर्मचारी सदस्यों के लिए 29.03.2016 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । पन्द्रह कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।
- मुबई बेस द्वारा एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला दो अवसर पर 30.03.2016 को एवं 17.09.2016 को भारतीय मास्यिकी सर्वेक्षण के मुम्बई बेस में आयोजित की गई। श्री हर्ष मोहन कृष्णत्रे, एन्टर प्राइझेस, वडाला, मुम्बई को 30.03.2016 को "हिंदी टिप्पणी एवं प्रारुप" पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया और श्री नरेश कुमार, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, मुम्बई "सरकारी हिन्दी कार्य में हिन्दी तकनीकी

शब्दावली" विषय पर 17.09.2016 को आयोजित कार्यशाला में व्याख्यान देने हेतु विषय विशेषज्ञ रहे। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का उपयोग और दैनिक सरकारी कार्य में इसके प्रयोग के लिए प्रेरित किया । कुल सैंतीस अधिकरी एवं कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।
- विशाखापट्टणम बेस में तीन अवसर पर 31.03.2016, 29.06.2016 एवं 07.08.2016 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । श्रीमती मईमोना चौहान, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया, प्रशासनिक कार्यालय, विशाखापट्टणम 31.03.2016 को आयोजित कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ रही । उन्होंने सरकारी कार्यालय में राजभाषा के रुप में हिन्दी में दैनंदिन कार्य के महत्व पर व्याख्या दिया । श्रीमती ए. अरुणा, प्राध्यापक, हिन्दी शिक्षण योजना, विशाखापट्टणम 29.06.2016 को आयोजित कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ रही और उन्होंने सरकारी कार्यालय में राजभाषा के रुप में हिन्दी, हिन्दी में दैनंदिन कार्य के महत्व पर व्याख्यान दिया । श्री आर, रामेश्वर राव, हिन्दी अनुवादक, आकाशवाणी, विशाखापट्टणम 07.09.2016 को विषय विशेषज्ञ थे । उन्होंने "राजभाषा के रुप में हिन्दी के विविध पहलुओं और सरकारी कार्यालय में हिन्दी में दैनंदिन कार्य" पर विचार विमर्श किया ।
- पोर्ट ब्लेयर द्वारा दो अवसरों पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला 21.03.2016 एंव 24.06.2016 को आयोजित की गई ।
- मार्मुगोवा बेस द्वारा हिन्दी में सरकारी कार्य सुधारने एवं कार्यान्वित करने हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 20.06.2016 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । कार्यक्रम में डॉ. (श्रीमती) सुभ्रता मिश्रा, मुख्य अतिथि रही और विषय विशेषज्ञ रही । अधिकारियों एंव कर्मचारियों ने

कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई (मुख्यालय) में 'हिन्दी दिवस' एवं 'हिन्दी पखवाडा' समारोह

- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय), मुम्बई ने 14 सितंबर 2016 को 'हिन्दी दिवस' एंव 14.09.2016 से 28.09 तक "हिन्दी पखवाडा' का आयोजन किया । उद्घाटन समारोह 14.09.2016 को श्री महेश कुमार फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में द्वीप प्रज्वलित कर किया । इस अवधि के दौरान पाँच प्रतियोगिताएं हिन्दी निबंध लेखन, सामान्य ज्ञान, श्रुतलेखन, अंताक्षरी और हिन्दी कविता पाठ आयोजित की गई । अधिकांश कर्मचारी सदस्यों ने इन सभी प्रतियोगिताओं में सक्रिय रुप से भाग लिया । 'हिन्दी पखवाडा' का समापन समारोह 28 सितंबर 2016 को हुआ। केप्टन बिजु जॉसफ, व. डॉक मास्टर, मुम्बई पोर्ट ट्रस्ट, मुख्य अतिथि रहे और श्रीमती साधना त्रिपाठी, सहायक निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पश्चिम क्षेत्र) मुम्बई इस अवसर पर विशेष अतिथि रही। उसी दिन हिन्दी कविता पाठ में प्रतियोगिता आयोजित की गई। महानिदेशक (प्रभारी) ने प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को बधाई दी । मुख्य अतिथि द्वारा विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया । समापन समारोह श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ । समारोह में गृहपत्रिका 'मात्स्य किरण' के छठे अंक का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया ।
- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुम्बई बेस ने 14 सितंबर

2016 को 'हिन्दी दिवस' एंव 14.09.2016 से 28.09.2016 तक 'हिन्दी पखवाडा' का आयोजन किया । श्री बालनायक, सेवा अभियंता (एम) की अध्यक्षता में उदघाटन समारोह 14.09.2016 को मुम्बई बेस में हुआ । हिन्दी पखवाड़े के दौरान हिन्दी निबंध लेखन, शब्दानुवाद, सामान्य ज्ञान, सुलेखन एवं हिन्दी अंताक्षरी में कुल पाँच प्रतियोगिताए आयोजित की गई । समापन समारोह डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक के स्वागत भाषण के साथ हुआ । श्री शैलेश आर, पी ए ओ कार्यालय, मुम्बई मुख्य अतिथि रहे । समारोह में, विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए ।
- मार्मुगोवा बेस ने 14 से 28 सितंबर 2016 तक 'हिन्दी पखवाडा' का आयोजन किया और 27.09.2016 को "प्रशासनिक पत्राचार में हिन्दी का उपयोग" पर एक हिन्दी कार्यशाला भी आयोजित की । डॉ. सुभ्रता मिश्रा, हिन्दी प्रशिक्षक, गोवा, विषय विशेषज्ञ रही । बेस के कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया ।
- चेन्नई बेस द्वारा 'हिन्दी पखवाड़ा' 14.09.2016 से 28.09.2016 तक आयोजित किया गया । श्री पी तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक द्वारा 14.09.2016 को 'हिन्दी दिवस' एवं 'हिन्दी पखवाड़ा' का उद्घाटन किया गया । पखवाड़े के दौरान कर्मचारी सदस्यों के बीच हिन्दी लेखन, हिन्दी अनुवाद, क्विज़, भाषण आदि विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। 28 सितंबर 2016 को समापन समारोह संचालित किया गया जिसमें श्रीमती कोमल सिंह, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, चेन्नई मुख्य अतिथि रही और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया ।
- विशाखापट्टणम बेस कार्यालय में 09 से 23 सितंबर 2016 के दौरान हिन्दी पखवाडा का आयोजन किया गया । पखवाडा के दौरान कर्मचारी सदस्यों के बच्चों के लिए कविता पाठ एवं कहानी बोलने की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई और कर्मचारियों के लिए हिन्दी सुलेखन एंव प्रश्न मंच में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । 23.09.2016 को समापन समारोह आयोजित किया गया । इस अवसर पर प्रोफेसर एन सत्यनारायण, हिन्दी विभाग प्रमुख, आन्ध्र विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि रहे । समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया ।
- पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा हिन्दी पखवाडा 13 सितंबर से 27 सितंबर 2016 तक आयोजित किया गया । हिन्दी पखवाडा समारोह में श्री एम. जोन्नी, मात्स्यिकी उप निदेशक, मात्स्यिकी निदेशालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन, पोर्ट ब्लेयर, मुख्य अतिथि रहे और विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए ।

आशीर्वाद स्मृति चिन्ह

- श्री शुभ्रजित दास, आशुलिपिक ग्रेड- ।। को सरकारी कार्य में हिन्दी के कार्यान्वयन में योगदान देने हेतु आशीर्वाद स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया । उन्होंने 23.03.2016 को दूरदर्शन कार्यालय, वर्ली, मुम्बई में संपन्न 25 वॉ आशीर्वाद

राजभाषा सम्मेलन में पुरस्कार प्राप्त किया ।

V. बैठक/सम्मेलनों में महानिदेशक (प्रभारी की) भागीदारी

- कृषि भवन, नई दिल्ली में 21 जनवरी 2016 को समुद्री मात्स्यिकी पर प्रारुप राष्ट्रीय नीति सुझाने हेतु गठित समिति की दूसरी बैठक ।
- कृषि भवन, नई दिल्ली में 22 जनवरी 2016 को बॉबलम परियोजना के फेज़ I के कार्यान्वयन और फेज़ II की संभावनाओं की समीक्षा हेतु परामर्शी बैठक ।
- सिफनेट, कोच्चि में 4 फरवरी 2016 को समुद्री मात्स्यिकी पर प्रारुप राष्ट्रीय नीति सुझाने हेतु पणधारी परामर्श ।
- पोत *एम एफ वी येल्लोफिन* पर 17 फरवरी 2016 को आग की दुर्घटना के संबंध में नई दिल्ली में संयुक्त आयुक्त (मात्स्यिकी) की अध्यक्षता में संपन्न बैठक
- 26 फरवरी 2016 को महानिदेशक, आई सी ए आर, नई दिल्ली की अध्यक्षता में समुद्री मात्स्यिकी पर प्रारुप राष्ट्रीय नीति सुझाने हेतु गठित समिति की बैठक ।
- तटीय राज्य/केन्द्रशसित प्रदेश के मात्स्यिकी विभाग के प्रतिनिधियों के साथ 9 मार्च 2016 को नई दिल्ली में संपन्न माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में बैठक ।
- कडमट्ट द्वीप में 11 से 14 मार्च 2016 तक संपन्न वेक्सिन परियोजना पर बैठक ।
- पॉप अप सेटलाइट आरकिवल टैग (प्सेट) पर सहयोगी परियोजना चर्चा करने एवं भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस में 8 अप्रैल 2016 को टूना एवं मैकरेल मात्स्यिकी पर ध्यान देने के साथ भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के साथ इनकोइस के संभाव्य सहयोग पर चर्चा करने हेतु बैठक ।
- 12 'और 13 मई 2016 को नई दिल्ली में संपन्न पशुपालन, डेरी एवं मत्स्य पालन विभाग के अंतर्गत मात्स्यिकी प्रभाग से संबंधित बैठक ।
- नई दिल्ली में 01 जून 2016 को समुद्री मात्स्यिकी पर प्रारुप राष्ट्रीय समिति नीति सुझाने हेतु गठित समिति की पांचवी बैठक ।
- चेन्नई में 2 जून 2016 को संपन्न "स्थायी मात्स्यिकी के लिए ओसियन पार्टनरशिप और जैवविविधता संरक्षण-इन्नोवेशन एवं रिफोर्म" पर विश्व बैंक/जी एफ एफ परियोजना के पी सी सी की प्रथम बैठक ।
- नई दिल्ली में 3 जून 2016 को संयुक्त सचिव (मात्स्यिकी) की अध्यक्षता में मात्स्यिकी में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन पर कार्यशाला की अनुवर्ती कार्रवाई की बैठक ।
- नई दिल्ली में 12 अगस्त 2016 को समुद्री मात्स्यिकी पर अंतर मंत्रालयीन अधिकार प्राप्त समिति की 25 वीं बैठक ।
- पोत एम एफ वी येल्लोफिन पर 12 अगस्त 2016 को आग की दुर्घटना के संबंध में बैठक ।
- नई दिल्ली में 16 अगस्त 2016 को मत्स्यन पोतो में एल ई डी लाइट के उपयोग एवं विनियम से संबंधित मामलों पर चर्चा करने हेतु बैठक ।
- राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान के अनुसंधान केन्द्र, मुम्बई में 25 एवं 26 अगस्त 2016 को "भारत के तटीय क्षेत्र में स्वच्छ एवं स्थायी विकास का दृष्टिकोण- वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की जरुरत" पर संपन्न संगोष्ठी ।

VI. प्रशिक्षण / संगोष्ठी / कार्यशाला / परिसंवाद / बैठक / सम्मेलन में भागीदारी

- श्री पी. तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 11.01.2016 को मात्स्यिकी निदेशालय, चेन्नई में टूना लाईनर्स के रुप में यंत्रीकृत फिशिंग बोट के परिवर्तन पर संपन्न प्रशासनिक समिति की बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक ने 28.01.2016 को राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा में संपन्न सी एस आई आर XII वी योजना परियोजना ओशियन फाइन्डर (भारतीय समुद्री सजीव संसाधन विभव के पूर्वानुमान की ओर समुद्र विज्ञान) पर ब्रेन स्टोरमिंग बैठक में भाग लिया ।
- श्री सी. धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने एक संसाधन विशेषज्ञ के रुप में आन्ध्र प्रदेश के राज्य मात्स्यिकी विभाग द्वारा 21.02.2016 को कपूला डिब्बडी पालम, भीमिली मण्डल, आन्ध्र प्रदेश में समुद्री "सुरक्षा उपकरणों के उपयोग" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
- श्री धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने 21.01.2016 को एवं 22.01.2016 को क्रमशः सिफनेट, विशाखापट्टणम के प्रथम एव तृतीय सेमेस्टर के छात्रों के प्रायोगिक परीक्षा में बाहरी परीक्षक के रुप में भाग लिया ।
- श्री डी के गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक एवं श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सिफनेट कोच्चिन में 04.02.2016 को संपन्न समुद्री मात्स्यिकी 2016 समिति की राष्ट्रीय नीति पर पणधारी परामर्शदात्री की बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 3-4 फरवरी 2016 के दौरान माले, मालदीव में मात्स्यिकी एवं कृषि मंत्रालय, मालदीव गणराज्य द्वारा फसल नियंत्रण नियमों (एच सी आर) के विनियोग और प्रबंधन रणनीति मूल्यांकन (एम एवं ई) पर आयोजित हिन्द महासागर तटीय राज्यों की कार्यशाला में भाग लिया ।
- श्री एन उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्री ए. इ. अयूब, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् ने 4-6 फरवरी 2016 के दौरान मात्स्यिकी एवं महासागर अध्ययन के केरल विश्वविद्यालय (कुफोस) द्वारा आयोजित एक स्थायी ब्लू इकोणामी- उत्पादन रणनीतियों और नीतियों की ओर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और संस्थान की गतिविधियों का प्रदर्शन किया ।
- डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्री एस. के. पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक ने 11.02.2016 को सी एम एफ आर आई के क्षेत्रीय केन्द्र, विशाखापट्टणम में 'समुद्री मात्स्यिकी

नीति’ मसौदा पर पणधारियों की परामर्शी बैठक में भाग लिया।

- श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक ने 15.02.2016 को सी एम एफ आर आई, कोच्चि में “समुद्री मात्स्यिकी की राष्ट्रीय नीति” पर संपन्न पणधारियों की परामर्शदात्री बैठक में भाग लिया ।
- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय से श्री आशीष कुमार, ऑकडा प्रसंस्करण सहायक, श्री योगेश गांगुरडे, ऑकड़ा प्रविष्ठि प्रचालक, श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक और श्री राहुल कुमार बी टेयलर, व. वैज्ञानिक सहायक और मुम्बई बेस से डॉ. एस. के. द्विवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एस जी पटवारी, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने लक्षद्वीप एवं अंडमान एवं निकोबार द्वीप में 19.02.2016 से 04.03.2016 तक समुद्री मात्स्यिकी गणना 2016 के अंतर्गत तकनीकी पर्यवेक्षक के रुप में कार्य किया ।
- श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मानव संसाधन विकास संस्थान, आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा 3.3.2016 को श्रीकाकुलम में “मछुआरा युवाओं के कौशल विकास” विषय पर आयोजित पणधारियों की बैठक के लिए विषय विशेषज्ञ के रुप मे भाग लिया ।
- श्री एस. के. पटनायक, व वैज्ञानिक सहायक को 20 फरवरी से 10.03. 2016 के दौरान समुद्री मत्स्य जनगणना ऑकडा संग्रहण के लिए एक पर्यवेक्षक के रुप में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के पोर्ट ब्लेयर क्षेत्रीय बेस में दौरे पर प्रतिनियुक्त किया गया ।
- श्री के गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री सी. धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चिन बेस में 10.03.2016 को संपन्न वार्षिक रोसा बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. एस. रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एन. वरधन, आशुलिपिक ग्रेड-। और सुश्री अनिता मंजुला एक्का, प्रवर श्रेणी लिपिक ने भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर में 31.03.2016 को प्रशासनिक मामलों पर संगोष्ठी में भाग लिया ।
- डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एस. के. पटनायक, व.वैज्ञानिक सहायक ने 22-24 मार्च 2016 के दौरान सी एम एफ आर आई के क्षेत्रीय केन्द्र, विशाखापट्टणम में, “दर्शन, तरीकों और विज्ञान की नैतिकता” पर तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।
- डॉ. अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री सुजित कुमार पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक ने सी एम एफ आर आई के क्षेत्रीय केन्द्र, विशाखापट्टणम में 05.04.2016 को आन्ध्र प्रदेश की मत्स्यन नीति पर पणधारियों के परामर्श में भाग लिया ।
- श्री पी. तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मात्स्यिकी आयुक्त, चेन्नई में 06.04.2016 को प्रस्तावित मूल्यांकन समिति की बैठक में भाग लिया ।
- श्री पी. तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. जे. सी. दास, डॉ. मानस कुमार सिन्हा, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. ए. जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री वाई थरुमर, व. वैज्ञानिक सहायक, श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक, श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् और श्री वी. मुरुगन, जे आर एफ सत्तुण ने 07.04.2016 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई क्षेत्रीय बेस में “पोत अप सैटलाइट आरकिवल टैग (पी सेट)” पर इनकोइस प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री जे. ई. प्रभाकर राज, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 7-8 अप्रैल 2016 के दौरान भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का चेन्नई बेस में इनकोइस द्वारा उपग्रह डेटा के संबंध के साथ भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के ऐतिहासिक डेटा पर पांडुलिपि को अंतिम रुप देने की प्रक्रिया में भाग लिया ।
- डॉ. अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्री सुजित कुमार पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक ने 12.04.2016 को आयकर कार्यालय में संपन्न केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के समन्वय बैठक में भाग लिया ।
- श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और डॉ. देवानंद उइके, व. वैज्ञानिक सहायक ने सी एम एफ आर आई के मुम्बई क्षेत्रीय केन्द्र, मुम्बई द्वारा 21.04.2016 को आयोजित पणधारियों की बैठक में भाग लिया ।
- श्री जे. ई. प्रभाकर राज, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 22.04.2016 को वेल्लिंगटन द्वीप, कोच्चि में भारत के समुद्री खाद्य निर्यात संघ द्वारा तेजी से घट रहे मत्स्य संसाधन” पर आयोजित प्रबंधन समिति की बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सी एम एफ आर आई में 22-23 अप्रैल 2016 के दौरान बी ओ बी पी-आई पी ओ द्वारा विश्व बैंक/जी ई एफ अनुदान के अंतर्गत स्थायी मात्स्यिकी के लिए ओसियन पार्टनरशिप के कार्यान्वयन और जैवविविधता संरक्षण-इन्नोवेशन एवं रिफोर्म परियोजना के लिए मोडल पर पणधारियों की परामर्शी बैठक में भाग लिया ।
- श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सिफ्ट काकीनाडा में 02.05.2016 को आन्ध्र प्रदेश की समुद्री मत्स्य नीति पर परामर्शी बैठक में भाग लिया ।
- श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने निफफट्, विशाखापट्टणम में 02.05.2016 को निविदा समिति की बैठक में भाग लिया ।
- श्री पी. तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मात्स्यिकी निदेशालय, चेन्नई में 13.05.2016 को नए टूना लॉग लाइनर कम गिल नेट की खरीद हेतु मछुआरों को 50% सबसिडी सहायता पर राज्य स्तर प्रशासनिक बैठक में भाग लिया ।
- श्री पी. तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मात्स्यिकी निदेशालय, चेन्नई में 27.05.2016 को मध्य समुद्र में मछली प्रसंस्करण यूनिट और कन्याकुमारी के लिए एक वाहक मदर पोत तैनात करने पर बोली मूल्यांकन समिति की बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. एस रामचन्द्रन ने भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर द्वारा 28.05.2016 को राजनिवास, पोर्ट ब्लेयर में आयोजित अंडमान एवं निकोबार द्वीपों के पक्षियों और अंडमान एवं निकोबार द्वीपों के चट्टान मछलियों पर माननीय लेफटनेंट

गवर्नर द्वारा पुस्तक विमोचन समारोह में भाग लिया ।

- डॉ. एस. रामचन्द्रन ने भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर में 31.05.2016 को अंडमान एवं निकोबार द्वीपों के मैंग्रोव पारिस्थितिक तंत्र में वैडिंग बर्ड और शोर बर्ड के निवास स्थान का उपयोग और फोरजिंग पस्थितिकी और एयरपोर्ट, कैपबेल बे में पक्षीयों के खतरे पर परिस्थिति के अध्ययन परियोजनाओं पर 2 कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता के चयन हेतु चयन समिति के लिए सदस्य के रुप में सेवा की ।
- श्री के. गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 30-31 मई 2016 के दौरान हॉटल दसपल्ला, विशाखापट्टणम में बंगाल की खाडी अंतर सरकारी संगठन द्वारा संचालित स्थायी मात्स्यिकी के लिए ओशियन पार्टनरशिप कार्यक्रम और नवाचार एवं सुधार हेतु जैव विविधता संरक्षण मॉडल पर पणधारी परामर्श में भाग लिया ।
- डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक और डॉ. ए. जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 4 जून 2016 को बी ओ बी पी- आई जी ओ द्वारा रेइन ट्री हॉटेल, चेन्नई में आयोजित "अत्याधिक प्रवासी मछली स्टॉक के संदर्भ में मात्स्यिकी प्रबंधन" पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।
- श्री बी एल अंजना, क. अनुवादक ने 06.06.2016 से 10.06.2016 के दौरान केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरों, सी बी डी, बेलापूर, नवी मुम्बई में 'हिन्दी अनुवाद' पर प्रशिक्षण में भाग लिया ।
- श्री एन वी रमण मूर्ति, तंत्र विश्लेषक और श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क अनुवादक ने 6 एंव 7 जून 2016 को बैंक ऑफ इन्डिया ऑडिटोरियम, बेलापूर में क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पश्चिम), नवी मुम्बई द्वारा आयोजित दो दिवसीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया ।
- श्री एस. के. पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक ने 8 एवं 9 जून 2016 के दौरान क्षेत्रीय मुख्यालय, विशाखापट्टणम में भारतीय तटरक्षक द्वारा आयोजित समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया संगोष्ठी में भाग लिया ।
- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय से श्रीमती सुनीता एन मोटवानी, कार्यालय अधीक्षक (प्रतिनियुक्ति पर) श्रीमती मल्लिका पी., आशुलिपिक ग्रेड-I, श्री शुभ्रजित दास, आशुलिपिक ग्रेड-II, सुश्री वन्दना सी वाघमारे, प्रवर श्रेणी लिपिक, श्रीमती अर्चना एन प्रधान, प्रवर श्रेणी लिपिक, श्रीमती अरुण विनोद कुमार, प्रवर श्रेणी लिपिक, श्री सी एन रायथाथा, प्रवर श्रेणी लिपिक,श्री राकेश कुमार, अवर श्रेणी लिपिक ने 15.06.2016 एंव 16.06.2016 को क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र , मुम्बई में वरिष्ठता, पदोन्नति एवं डी पी सी पर प्रशिक्षण में भाग लिया ।
- डॉ. अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एन जगन्नाथ, क मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 24.06.2016 को निफफट, विशाखापट्टणम में निविदा समिति की बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. एल रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक 'और श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक ने 27-28 जून 2016 के दौरान बी 'ओ बी पी-'आई जी ओ द्वारा रेइन ट्री होटल, चेन्नई में आयोजित टी इ इ वी भारत की पहल के अंतर्गत तटीय और समुद्री परिस्थितिकी प्रणालियों पर मूल्यांकन के अध्ययन के परिणामों का प्रसार पर जी आई जेड-एम ओ इ एफ एवं सी सी-बी ओ बी पी -आई जी ओ राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।
- श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री जी. वी. ए. प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 14 जुलाई 2016 को मात्स्यिकी प्रोफेशनल के फोरम के संबंध में सी आई एफ टी, विशाखापट्टणम मे संपन्न बैठक में भाग लिया ।
- श्री ए. उदय कुमार, कार्यालय अधीक्षक (प्रतिनियुक्ति पर) और श्री के एन स्वामी, व. लिपिक ने 14 जुलाई 2016 को पीए ओ, मुम्बई द्वारा सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली पर आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया ।
- डॉ. जे. जयचन्द्र दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक ने 21.07.2016 को होटल पान्डिया रॉयपुरम, चेन्नई में बी ओ बी पी-आई जी ओ द्वारा भारत में टूना मात्स्यिकी पर स्कोपिंग परामर्श पर आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. एस. के. द्विवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सी एम एफ आर आई, मुम्बई अनुसंधान केन्द्र द्वारा 27.08.2016 को सी आई एफ ई, पुराना कैंपस, सात बंगला, अन्धेरी में आयोजित पणधारी बैठक में भाग लिया ।
- श्री के. गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एस. के. पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक 'और श्री एस. पापा, यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) ने 23-25 सितंबर 2016 के दौरान पोर्ट ट्रस्ट डयमन्ड जुबिली स्टेडियम, विशाखापट्टणम में समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण एवं भारत के असोसिएशन ऑफ सी फुड एक्सपोर्टस द्वारा आयोजित 20 वॉ भारत अंतर्राष्ट्रीय सी फुड शो में भाग लिया ।

VII. प्रशासनिक समाचार

नियुक्तियां

- श्री के सिलम्बरसन, को व. वैज्ञानिक सहायक के पद में 18.04.2016 के प्रभाव से भा. मा. स. के विशाखापट्णम बेस में नियुक्त किया गया ।
- श्री सोल्ली सोलोमोन, को व. वैज्ञानिक सहायक के पद में 19.04.2016 के प्रभाव से भा. मा. स. के मार्मुगोवा बेस में नियुक्त किया गया ।
- श्री नशाद एम, को व. वैज्ञानिक सहायक के पद में 22.04.2016 के प्रभाव से भा. मा. स. के पोर्ट ब्लेयर बेस में नियुक्त किया गया ।
- • श्री हर्षवर्धन जोशी, को व. वैज्ञानिक सहायक के पद में 12.05.2016 के प्रभाव से भा. मा. स. के चेन्नई बेस में नियुक्त किया गया ।
- • सुश्री रोशन मारिया पीटर, को व. वैज्ञानिक सहायक के पद में 15.06.2016 के प्रभाव से भा. मा. स. के मुम्बई बेस

में नियुक्त किया गया ।

पदोन्नतियां/स्थानांतरण

- श्री सी. जी. अनिल कुमार, मुख्य अभियंता ग्रेड-।। को विशाखापट्णम बेस से कोच्चिन बेस में 18.01.2016 को स्थानांतरित किया गया और 25.01.2016 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्रीमती एम के श्रीमती, कार्यालय अधीक्षक को कोच्चिन बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का (मुख्यालय)मुम्बई में 17.02.2016 को स्थानांतरित किया गया और 19.02.2016 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक को मार्मुगोवा बेस से मुम्बई बेस में 21.03.2016 को स्थानांतरित किया गया और 22.08.2016 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री एस. वी. ए. प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक को पोर्ट ब्लेयर बेस से विशाखापट्टणम बेस में 02.04.2016 को स्थानांतरित किया गया और 18.04.2016 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री एस. जी. पटवारी, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक को मुम्बई बेस से मार्मुगोवा बेस में 11.04.2016 को स्थानांतरित किया गया और 30.06.2016 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री वी. वी. एस. मूर्ति, मेट ग्रेड-।, को पोर्ट ब्लेयर बेस से चेन्नई बेस में 13.05.2016 को स्थानांतरित किया गया और 03.06.2016 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- डॉ. एस. रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक को पोर्ट ब्लेयर बेस से कोच्चिन बेस में 16.07.2016 को स्थानांतरित किया गया और 18.07.2016 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक को चेन्नई बेस से मुम्बई बेस में 19.07.2016 को स्थानांतरित किया गया और 20.07.2016 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री ए टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक को मुम्बई, मुख्यालय से चेन्नई बेस में 28.07.2016 को स्थानांतरित किया गया और 01.08.2016 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री प्रेमचन्द, उप महानिदेशक (मा.), भा. मा. स., मुम्बई मुख्यालय को 29.07.2016 से महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया ।

सेवानिवृत्तियां

- श्री एस तलासपोर, स्किप्पर, चेन्नई बेस अधिवर्षिता पर 28.02.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री डी. चेल्लादुरै, कारपेंटर, चेन्नई बेस अधिवर्षिता पर 31.03.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री एन्टनी पिच्चै, व. नाविक, चेन्नई बेस अधिवर्षिता पर 30.04.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री एम धनाराजू, नेटमेन्डर, विशाखापट्टणम बेस स्वैच्छिक रुप से 01.06.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री एन सास्ता, व. नाविक-सह-रसोइया, चेन्नई बेस अधिवर्षिता पर 30.06.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री ए. बी. किशोर, बहु कार्मिक कर्मचारी, पोरबंदर बेस अधिवर्षिता पर 30.06.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री जी. येराना, नेटमेन्डर, विशाखापट्टणम बेस स्वैच्छिक रुप से 04.07.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री एम. प्रेमकुमार व. नाविक, चेन्नई बेस को परिवीक्षा अवधि के दौरान 18.07.2016 को टरमिनेट किया ।
- श्री प्रेमचन्द, महानिदेशक, भा. मा. स , मुम्बई मुख्यालय अधिवर्षिता पर 31.07.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री जॉनसन के कुरियाकोर्स मुख्य अभियंता ग्रेड-। के कोच्चिन बेस अधिवर्षिता पर 31.07.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री एम. सामसुन्दर, मुख्य अभियंता ग्रेड-। चेन्नई बेस अधिवर्षिता पर 31.07.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री एन एल सोलंकी, नेटमेन्डर, पोरबंदर बेस अधिवर्षिता पर 30.09.2016 को सेवानिवृत्त हुए ।

VIII. निधन

- श्री एडवर्ड केरकेट्टा, व. प्रशासनिक अधिकारी, भा मा स मुम्बई (मुख्यालय) का 29.01.2016 को निधन हुआ ।उन्होंने इस विभाग में 10.11.1974 को क. लिपिक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था । उन्होंने विभाग के लिए 41 वर्ष दो माह और 20 दिन सेवा की ।

- श्री ए. के. साहामदार, बहु कार्मिक कर्मचारी, पोरबन्दर बेस का 23.03.2016 को निधन हुआ । वे 23.01.1980 से भा मा स के साथ कार्य कर रहे थे।

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी सनदी, श्री ए शिवा, **संपादक** डा. विनोद कुमार मुडुमल, डा अंशुमान दास, **हिन्दी अनुवादक;** श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव
सचिवीय सहायता; श्री विशाल खरात, **प्रकाशकः** श्री एम के फरेजिया, महानिदेशक (प्रभारी),
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि एंव किसान कल्याण मंत्रालय, न्यू फिशिंग जेट्टी, ससून डॉक, कुलाबा मुम्बई-400 005,
तार मीना वेबसाइट: htttp:/fsi.gov.in फैक्स 022 - 2215 1865/66 दूरभाषाः 022 - 22188 2211
मुद्रक ऑनलूकर प्रेस, मुम्बई. दूरभाषा 022-22182939/3544